

Spr. 3283. मोदति MBh. 3, 7000. मोदित् 8042. 3, 28. मोदति 12, 11. मोदति Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 340, Çl. 3. अमोदन् R. 2, 48, 3. मुमोद 1, 46, 17. R. GORR. 1, 46, 34. मुदित erfreut, froh MBh. 3, 2230. 2234. 3004. 3066. 3, 6076. 7517. R. 1, 63, 20. R. GORR. 1, 46, 35. RAGH. 12, 7, 14, 29. VARĀH. BRH. S. 3, 44. 98. KATHĀS. 46, 211. 60, 254. BRAHMA-P. in LA. (II) 34, 6. 33, 17. Verz. d. Oxf. H. 129, b, 19. °मानस MBh. 1, 5572. PAÑKĀR. 3, 11, 21. केशलो नाम मुदितः स्फीतो ज्ञानपदे मकान् R. 1, 5, 5 (1 GORR.). 2, 33, 11. HARIV. 3060. सर्वः सुमुदिता गुणैः sich gar sehr erfreuend an so v. a. besitzend 9951. In comp. mit dem, woran man sich erfreut: स्वधृतिवनितामङ्ग Spr. 2136. जलदनिनद° 2281. VARĀH. BRH. S. 8, 36. 18, 2. वारिधाराप्रमुदितमुदिता (उर्वी) 27, 6. धस्ता-शेषतमःप्रमोद° Spr. 757, v. l. 2326, v. l. — मुदिता (vgl. प्रमोदिता u. प्रcaus.) f. Freude MATHUREÇA zu AK. ÇKDR. JOGAS. 1, 33. 3, 24 (Verz. d. Oxf. H. 230, b, 23. 25). PRAB. 68, 11. मुदित n. Bez. einer Art von Umarmung oder Verschlingung der Geliebten ÇKDR. nach dem KĀMAÇĀSTRA. मुदित fehlerhaft für मुदित (so die ed. Bomb.) MBh. 3, 12225. für मूदित (so die ed. Bomb.) 3, 7184.

— caus. Jmd erfreuen: शोभयेयुः पुरवरं मोदयेयुश्च सर्वशः MBh. 12, 2655. मोदयधं रघूतमम् BHATT. 7, 101.

— अनु in die Freude eines Andern einstimmen R. 2, 69, 6. मुदितामनुमोदते BHĀG. P. 4, 23, 61. अनु स्तोमं मुदीमहि wir stimmen jubelnd ein in RV. 8, 1, 14. Jmd zuzubeln: तं मण्डूका अनुमोदत Nir. 9, 6. Jmd seinen Beifall bezeugen, Jmd aufmuntern: के चैनमन्वमोदत के चैनं प्रत्यषेधयन् MBh. 2, 1787. sich freuen über Jmd oder Etwas (acc.): यं प्रजा अनुमोदत पिता पुत्रानिवारसान् 7, 2224. संपदमनुन्दति विपदं नानुमोदति GAUDAP. zu SĀMĀKHJAK. 48. ब्राह्मणास्ते अनुमोदत शिवेन कुशलेन च MBh. 3, 11535. sich über Etwas freuen so v. a. sich mit Etwas einverstanden erklären, Etwas gutheissen: विवादाश्चान्वमोदत 1, 137. वाचं ताम् 1198. सैरिन्ध्याः सूतपुत्रेण सह दारुम् 4, 800. KATHĀS. 43, 72. BHĀG. P. 1, 19, 19. 3, 19, 37. पूयं तदनुमोदधम् — कर्तुः शास्तुनुज्ञातुस्तुल्यं यत्प्रेय तत्फलम् 4, 21, 23. 7, 14, 6. 8, 6, 24. 7, 41. 9, 23, 37. अखादन्ननुमोदंश्च MBh. 13, 5634. यो अनुमोदति कृत्स्न्यं (कृत्यत्तम् ed. Bomb.) सो ऽपि दीपेण लिप्यते wer es gut heisst, dass (ein lebendes Wesen) getötet wird, ebend. BHĀG. P. 2, 7, 33. ये चान्वमोदंस्तदवाच्यतां द्विजाः 4, 2, 20. — caus. erfreuen: मधुधाराः सुपार्श्वशिल्परत्पतत्यः — इलावृतमनुमोदयति BHĀG. P. 5, 16, 23. अनुमोदित erfreut: सामोदिरनुमोदिता मृगमैरानन्दिता Verz. d. Oxf. H. 233, a, 5. gewonnen, günstig gestimmt: एवं निधिपतिः श्रोमान्द्वैवतैरनुमोदितः HARIV. 6277. Jmdes (instr. oder im comp. vorangehend) Zustimmung —, Einwilligung habend: विभावर्ष्याः कलावत्याः ह्यगधदृष्टानुमोदितः MĀRK. P. 64, 18. गान्धर्वेण विवाहेन बह्वो राजर्षिकन्यकाः । अप्यन्ते परिषीतास्ताः पितृभिश्चानुमोदिताः ॥ ÇĀR. 71, v. l. KATHĀS. 44, 91. BHĀG. P. 1, 5, 25. 8, 21, 32. वामुदवानुमोदितः 1, 9, 49. 4, 1, 2. 9, 10, 29. 10, 33, 39. mit Beifall aufgenommen, mit Freude begrüsst, gutgeheissen: उच्चैःप्रमोदमनुमोदितदर्शनः Spr. 3686. तया चैव नरश्रेष्ठ तन्मे प्रीत्यानुमोदितम् MBh. 3, 7458. 9, 3034. JOGAS. 2, 34. UTTARĀHĀK. 29, 10. PRAB. 102, 2. 110, 7.

— अनु caus. Jmd seine Zustimmung geben: ग्रामह्य प्रययौ राजा तैशैवानुमोदितः MBh. 1, 4447. zu Etwas seine Zustimmung geben: V. Theil.

अन्यैश्च दानमिदमनुमोदनीयम् Inschr. in COLBR. Misc. Ess. II, 311, 9. — अभि s. अभिमोदमुद.

— आ s. आमोद; davon adj. आमोदित (wohl nicht partic. des caus.) mit Wohlgeruch erfüllt, wohlriechend gemacht: तदत्तरे मुन्द्रे चामोदिते पुष्पवायुना PAÑKĀR. 1, 10, 41. पुष्पासवामोदितवक्त्रपङ्कज R. 5, 5. BHĀG. P. 8, 9, 16. PRAB. 19, 12. = संतुष्ट und अभिनन्दित die Scholien.

— उद्. partic. उन्मुदित frohlockend BHĀG. P. 4, 26, 24.

— संपरि weit und breit frohlocken: कृष्टाः संपरिमोदधं देवेभ्यस्त्यस्यतां भयम् HARIV. 13738.

— प्र lustig werden, sich freuen, jubeln: पशवस्तत्र मोदते महे वै नो भविष्यति AV. 11, 4, 5. ताः सर्वा देवताः प्रमोदत मामभिप्रत्यपादीति AIT. Br. 2, 18. MBh. 12, 6393. 13, 3315. 14, 1188. R. 5, 3, 66. KATHĀS. 36, 32. BHĀG. P. 5, 13, 7. प्रमुदे R. GORR. 2, 5, 9. प्रमुोद R. SCHL. 1, 1, 84. 44, 61 (43, 55 GORR.). उच्चैःप्रमोदम् absol. Spr. 3686. जनैः प्रमुदितं (impers.) धाराधरे वर्षति 1972. प्रमुदित ausgelassen, erfreut, froh AK. 3, 2, 52. VS. 19, 11. MBh. 1, 5364. 7648. 7650. R. 1, 1, 87. 90. 9, 39 (38 GORR.). 2, 30, 46. 32, 79. RAGH. 6, 86. KATHĀS. 13, 139. 23, 294. VARĀH. BRH. S. 3, 45. 8, 9. 18, 2. BHĀG. P. 3, 16, 28. 8, 18, 26. °पिकं DūrTAS. in LA. 69, 9. °कृदय Git. 3, 15. °मनस् PAÑKĀT. 48, 24. तद्दर्शनं° BHĀG. P. 9, 20, 10. PAÑKĀT. 238, 22. n. Lustigkeit, frohe Laune: वारिधाराप्रमुदितमुदिता (उर्वी) VARĀH. BRH. S. 27, 6. प्रमुदितवति राष्ट्रे KATHĀS. 6, 163. In der Stelle शरवर्षेः — अस्त्रप्रमुदितैः Arc. 10, 39 liest die ed. Calc. u. Bomb. des MBh. 3, 12235 प्रचुदितैः (!) st. प्रमु°. Vgl. प्रमुद्, प्रमुदिता, प्रमोद, प्रमोदन, प्रमोदमान. — caus. erfreuen: यदि हि स्त्री न रोचेत् पुमांसं न प्रमोदयेत् M. 3, 61 (= MBh. 13, 2487). MBh. 3, 40077. HARIV. 14744. प्रमोदमाना und प्रमोदिता f. Bez. zweier der acht Vollkommenheiten (सिद्धि) im Sāmkhja TATTVAS. 41. Vgl. प्रमोदक, प्रमोदन, प्रमोदित, प्रमोदिन्.

— अनुप्र caus. Jmd (acc.) seine Einwilligung, die Erlaubniss geben: आहारमनुगच्छेच्चानुमोदितः MĀRK. P. 31, 59.

— संप्र s. संप्रमोद.

— प्रति entgegenjubeln, zuzuschützen, mit Freude auf Jmd oder Etwas zugehen oder Etwas entgegennehmen: प्रतिदं विश्वं मोदते RV. 5, 83, 9. 10, 97, 3. घृतानि प्रति मोदते 118, 2. VS. 11, 47. 20, 46. विश्वा भूतानि प्रतिमोदमानः TBR. 3, 1, 2, 10 in Z. f. d. K. d. M. 7, 273. 3, 1, 2, 2 ebend. 266. तं प्रजाः प्रतिमोदत्यः सर्वाः प्रत्युदतास्तदा MBh. 1, 6784. mit gen.: तस्यैव लोके प्रतिमोदतीकृ यो यस्यानुप्रक्तः MAITRĀJ. 4, 6. — caus. erheitern, lustig machen: प्रमोदयिष्यामहे ÇAT. Br. 3, 2, 4, 6. — desid. vom caus. erheitern wollen: प्रमुमोदयिषति ÇAT. Br. 3, 3, 2, 18.

— सम् s. संमोद fgg.

2. मुद् (= 1. मुद्) f. 1) Lust, Fröhlichkeit, Freude AK. 1, 1, 2, 2. H. 312. 316. HALĀS. 1, 123. RV. 1, 143, 4. पुष्पाकं स्मा रथौ अनु मुदे र्दधे 5, 33, 5. 8, 39, 7. यत्रानन्दाश्च मोदाश्च मुदः प्रमुद् आसते 9, 113, 11. ÇAT. Br. 9, 4, 1, 7. 14, 7, 1, 11. अस्मत्सो मुदा नामे VS. 18, 38. परा मुदमभिगम्य MBh. 1, 1188. मुदं परमिका लेभे 4858. 3, 1876. 3006. मुदं परमिका प्राप्ताः 1, 7602. 12, 10449. परा मुदमवाप 3, 2807. पितुर्मुदं तेन ततान RAGH. 3, 25. विषादे कर्तव्ये विदधति जडाः प्रत्युत मुदम् (तस्मिन्) Spr. 193. मुदं विषादः — कृत्ति 2217. VARĀH. BRH. S. 89, 10. तौ जग्मतुः परया मुदा MBh. 1, 7655. R. 1, 4, 22. Spr. 4729. VARĀH. BRH. S. 88, 36. MĀRK. P. 116, 43.